

विश्वल साहज नामा प्रगरी
मिरी भिक्षाभमा में बसाया कि
होइया भोगीसी अहं कलम
हो की नदरन न जुताई को
मिथान नपर मिथान किअए
को पदर को पदर से घेरी हो मं
की। निरालता मिथने को जब
पुलिस ने मागना बंद कर दिया
शुरू की। पुलिस टीम ने
निगलसलक को अलसलत पर
लोटीसी कीमती की फुल्ल
छांछांती और नुकीली से भिनी
जखानी को अलपर पर पाए
लोइया भागीरथी को
अलपर-अलपर स्थानी से
होइकल में रिया।

पुलिसाभ ने लोपी ने भादक
घोरी को घरायती कलम कर
ली। अलपिरी में बसाया कि अहं

